विषय : अर्थशास्त्र (030)

अंक योजना – हिन्दी माध्यम

अत्यंत गोपनीय

(प्रश्न पत्र कोड - 58/4/3)

(केवल आंतरिक एवं सीमित उपयोग हेतु)

सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा, 2026

General Instructions: -

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।

7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 60 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) ● उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना हिन्दी माध्यम
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2026
अर्थशास्त्र (विषय कोड –030)

अधिकतम अंक : 80

प्र.सं	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड - क **समष्टि अर्थशास्त्र**	
1.	_____ में वृद्धि के रूप में निवेश को परिभाषित किया जा सकता है। (i) भौतिक पूँजी के स्टॉक (ii) मालसूची में परिवर्तन (iii) उपभोग (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) केवल (i) (B) (i) और (ii) (C) (i) और (iii) (D) (i), (ii) और (iii) **उत्तर. (B) (i) और (ii)**	**1**
2.	मान लीजिए कि, एक बैंकिंग प्रणाली को ₹ 1,000 की प्राथमिक जमा राशि प्राप्त हुई तथा इसके परिणामस्वरूप वाणिज्यिक बैंकों ने ₹5,000 का साख सृजन किया। उपर्युक्त स्थिति में, आरक्षित अनुपात का मूल्य _____ प्रतिशत होगा। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 10 (B) 20 (C) 25 (D) 40 **उत्तर. (B) 20**	**1**
3.	दिए गए चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: रेखा LK _____ वक्र को दर्शाती है। 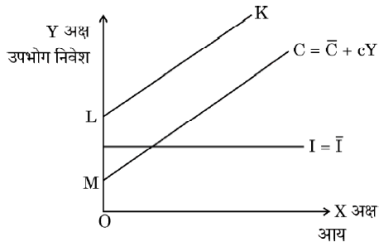 (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प :** (A) उपभोग (B) समग्र आपूर्ति (C) समग्र माँग (D) निवेश **उत्तर. (C) समग्र माँग**	**1**
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **7** के स्थान पर है। _____ से तात्पर्य उस उपभोग से है, जो कि आय के स्तर से स्वतंत्र होता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) स्वायत्त उपभोग (B) प्रेरित उपभोग (C) समस्तर (Break-even level) (D) स्वायत्त निवेश और उपभोग **उत्तर. (A) स्वायत्त उपभोग**	**1**
4.	निम्नलिखित कथनों : अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए: *अभिकचन (A):* सरकार अपनी कर नीति के माध्यम से अल्प माँग की स्थिति को नियंत्रित कर सकती है। *कारण (R) :* सरकार द्वारा कर दरों में की गई कमी लोगों की प्रयोज्य आय में वृद्धि करती है। **विकल्प :**	

	(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परन्तु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परन्तु कारण (R) सत्य है। **उत्तर. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।**	1
5.	भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) निम्नलिखित रूप में बैंकों के बैंकर के रूप में कार्य करता है: (i) क्लियरिंग (Clearing) हाऊस (ii) नकदी का संरक्षक (iii) सरकार का ऋणदाता (iv) बैंकों का आवधिक निरीक्षण **विकल्प :** (A) (i) और (ii) (B) (ii) और (iii) (C) (i), (ii) और (iv) (D) (i) और (iv) **उत्तर. (C) (i), (ii) और (iv)**	1
6.	किसी भारतीय निवासी द्वारा विदेशों में क्रय की गई संपत्ति को भुगतान संतुलन _____ के खाते के _____ पक्ष में दर्ज किया जाता है। (रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) पूँजी, क्रेडिट (B) चालू, क्रेडिट (C) चालू, डेबिट (D) पूँजी, डेबिट **उत्तर. (D) पूँजी, डेबिट**	1
7.	किसी काल्पनिक अर्थव्यवस्था के लिए मान लीजिए कि, आय के शून्य स्तर व सम-स्तर पर उपभोग क्रमशः ₹50 तथा ₹200 है। निम्नलिखित में से सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) के सही मान का चयन कीजिए: (A) 0.8 (B) 0.9 (C) 0.75 (D) 0.85 **उत्तर. (C) 0.75**	1
8.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: *कथन I:* मूल्य का मापन, दो वस्तुओं के सापेक्ष मूल्यों की तुलना करना सरल बनाता है। *कथन II:* मुद्रा वस्तुओं व सेवाओं के क्रय-विक्रय के कार्य को सुगम बनाती है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है। (C) कथन I और II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और II दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (C) कथन I और II दोनों सत्य हैं।**	1
9.	राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}), के मूल्य पर पहुँचने के लिए _____ को कारक लागत पर _____ में जोड़ा जाना चाहिए। (रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प** : (A) मूल्यह्रास, शुद्ध घरेलू उत्पाद (B) मूल्यह्रास, सकल घरेलू उत्पाद (C) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय, शुद्ध घरेलू उत्पाद (D) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर, सकल घरेलू उत्पाद	1

उत्तर. (C) विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय, शुद्ध घरेलू उत्पाद

10. _____ विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत, सक्षम प्राधिकारी निर्यात में वृद्धि करने के लिए मुद्रा का अवमूल्यन कर सकता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)

विकल्प :

(A) स्थिर

(B) नम्य

(C) प्रबंधित

(D) स्थिर नम्य

उत्तर. (A) स्थिर — **1**

11. (क) मुद्रा आपूर्ति को परिभाषित कीजिए।

उत्तर. मुद्रा आपूर्ति से आशय किसी निश्चित समय बिंदु पर जनता के बीच प्रचलन में मौजूद मुद्रा के कुल भंडार से है। — **1**

(ख) मुद्रा आपूर्ति के किसी एक घटक की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. वाणिज्यिक बैंकों के पास रखी शुद्ध मांग जमा (DD) मुद्रा आपूर्ति के घटकों में से एक है। ये चैक योग्य जमा होती हैं जिन्हें खाता धारक द्वारा मांग पर कभी भी निकाला जा सकता है। — **2**

(अन्य कोई प्रासंगिक घटक के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

3

12. (क) दिए गए आँकड़ों के आधार पर बाजार मूल्य पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (**GNP_{MP}**) के मूल्य का अनुमान लगाएँ:

क्रम संख्या	*मदें*	*राशि (₹ करोड़ में)*
(i)	निजी अंतिम उपभोग व्यय	800
(ii)	सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	700
(iii)	शुद्ध आयात	200
(iv)	सकल सार्वजनिक निवेश	100
(v)	मालसूची (Inventory) निवेश	50
(vi)	सकल आवासीय निर्माण निवेश	300
(vii)	शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	70
(viii)	सकल व्यावसायिक स्थायी निवेश	130
(ix)	स्थायी पूँजी का उपभोग	20
(x)	ब्याज	150
(xi)	विदेशों को भुगतान की गई शुद्ध कारक आय	100

उत्तर. बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP})

= (i) + (ii) + {(iv) + (v) + (vi) + (viii)} – (iii) — **1**

= 800 + 700 + {100 + 50 + 300 + 130} - 200 — **½**

= ₹1880 करोड़ — **½**

बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{MP}) = GDP_{MP} - (xi) — **½**

= 1880 - 100

= ₹1780 crore — **½**

अथवा — **3**

(ख) मूल्यवर्धित विधि द्वारा राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय ध्यान रखी जाने वाली किन्हीं दो सावधानियों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. मूल्यवर्धित विधि द्वारा राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय अपनाई जाने वाली दो सावधानियाँ हैं:

- **मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य को शामिल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे दोहरी गणना (double counting) की समस्या उत्पन्न होगी।** — **1 ½**

- **पुरानी (सेकंड-हैंड) वस्तुओं की बिक्री और खरीद को राष्ट्रीय आय के आकलन में शामिल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसे लेन-देन वस्तुओं और सेवाओं के वर्तमान प्रवाह में कोई वृद्धि नहीं करते।**

(अन्य किसी प्रासंगिक सावधानी के लिए भी अंक प्रदान किए जाए) — **1 ½**

3

13. (क) यदि किसी अर्थव्यवस्था में, प्रत्याशित बचत, प्रत्याशित निवेश से अधिक है, तो ऐसी स्थिति में समायोजन तंत्र की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. जब प्रत्याशित बचत, प्रत्याशित निवेश से अधिक होती है, तो इसका अर्थ है कि गृहस्थ और फर्में, फर्मों द्वारा उत्पादन किए जाने की योजना से कम उपभोग करने की योजना बना रहे हैं। परिणामस्वरूप, उत्पादकों के पास मौजूद माल सूची (इन्वेंट्री) वांछित स्तर से अधिक हो जाएंगी। माल सूची के वांछित स्तर को पुनः प्राप्त करने के लिए, उत्पादक, उत्पादन में तब तक कमी कर सकते हैं, जब तक कि संतुलन पुनः स्थापित न हो जाए। — **4**

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

अथवा

(ख) एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था के लिए निवेश गुणक की कार्यविधि की व्याख्या कीजिए, यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) 0.8 तथा वृद्धिशील निवेश ₹3,000 करोड़ है।

उत्तर. निवेश गुणक की कार्यविधि इस धारणा पर आधारित है कि एक व्यक्ति का व्यय दूसरे व्यक्ति की आय होता है। — **1**

दी गई काल्पनिक अर्थव्यवस्था के लिए, निवेश में परिवर्तन ₹ 3.000 करोड़ है तथा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) 0.8 है।

चक्र	निवेश में वृद्धि (ΔI) (₹ करोड़ में)	आय में वृद्धि (ΔY) (₹ करोड़ में)	उपभोग में वृद्धि (ΔC) (₹ करोड़ में)	बचत में वृद्धि (ΔS) (₹ करोड़ में)
1	3,000	3,000	2,400	600
2	—	2,400	1,920	480
3	—	1,920	.	.
—	—	.	.	.
कुल योग	3,000	15,000	12,000	3,000

2

अतः, निवेश (ΔI) में 3,000 की वृद्धि से राष्ट्रीय आय (ΔY) में कुल 15,000 की वृद्धि होती है, जो निवेश में वृद्धि का 5 गुना है। — **½**

मुद्रा गुणक $= \frac{1}{1-\text{MPC}}$

$= \frac{1}{1-0.8} = 5$ — **½**

(अन्य किसी प्रासंगिक उत्तर के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

4

14. निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए:

"6 दिसंबर को मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) गवर्नर ने नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में 50 आधार अंकों (basis points) की कटौती करते हुए इसे 4% करने की घोषणा की थी। उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करते हुए तरलता प्रबंधन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है।"

उपर्युक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

	(i) भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) द्वारा लिए गए निर्णय के पीछे के तर्क व संभावित प्रभाव की व्याख्या कीजिए। **उत्तर. मौद्रिक नीति समिति (MPC) द्वारा नकद आरक्षित अनुपात (CRR) को कम करने का निर्णय अर्थव्यवस्था में अवस्फीति के दबाव को दर्शाता है। आरक्षित अनुपात (CRR) में इस कमी के पीछे तर्क यह है कि अर्थव्यवस्था में तरलता का अधिक प्रवाह सुनिश्चित किया जाए ताकि समग्र आर्थिक स्थिरता बनी रहे।** **CRR में कमी से वाणिज्यिक बैंकों के पास साख की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे उनकी ऋण देने की क्षमता बढ़ सकती है। इस प्रकार, CRR में कमी करने से मुद्रा की पूर्ति और समग्र मांग में वृद्धि होगी, जो अंततः न्यून मांग की समस्या को दूर करेगी।** (ii) नकद आरक्षित अनुपात (CRR) को परिभाषित कीजिए। **उत्तर. नकद आरक्षित अनुपात (CRR) से आशय उस प्रतिशत से है जिसे वाणिज्यिक बैंकों को अपनी जमाओं का एक भाग के रूप में नकद आरक्षित के रूप में केंद्रीय बैंक के पास रखना होता है।**	**1** **2** **1**
		4
15.	(क) भुगतान संतुलन के अंतर्गत समायोजन मदों को परिभाषित कीजिए। **उत्तर. समायोजन मदें वे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक लेन-देन होते हैं जो भुगतान संतुलन (BoP) में अधिशेष या घाटे को सुधारने के लिए (सक्षम प्राधिकारियों द्वारा) किए जाते हैं।** (ख) "चालू खाते में दर्ज किए जाने वाले आर्थिक लेन-देनो को दो भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है — दृश्य व अदृश्य मदें। दोनों लेन-देनो के शुद्ध अंतर्वाह को व्यापार अधिशेष कहा जाता है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में मान्य तर्क दीजिए। **उत्तर. नहीं। चालू खाते में वस्तुओं (दृश्य मदों) तथा सेवाओं (अदृश्य मदों) दोनों से संबंधित लेन-देन शामिल होते हैं। हालांकि, व्यापार संतुलन (अधिशेष) में केवल वस्तुओं से संबंधित लेन-देन ही शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त, व्यापार अधिशेष उस स्थिति को दर्शाता है जब वस्तुओं के निर्यात का मूल्य, वस्तुओं के आयात के मूल्य से अधिक होता है। अतः वस्तुओं तथा अदृश्य मदों दोनों से प्राप्त होने वाला शुद्ध अंतर्वाह मिलकर चालू खाते का संतुलन निर्धारित करते हैं, न कि व्यापार अधिशेष। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**1** **3**
		4
16.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: घरेलू उत्पाद किसी राष्ट्र में एक विशिष्ट अवधि में आर्थिक गतिविधियों से उत्पन्न सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को मापता है, जबकि राष्ट्रीय आय एक समयावधि में आर्थिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप सभी कारकों द्वारा प्राप्त आय का कुल योग है। राष्ट्रीय आय में मात्र वे आय सम्मिलित होती हैं, जो प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं व सेवाओं के वर्तमान उत्पादन से प्राप्त होती हैं, इन्हें कारक आय कहा जाता है। जब कई वर्षों के दौरान, वर्तमान मूल्यों पर राष्ट्रीय आय का मापन होता है, तो राष्ट्रीय आय में होने वाला परिवर्तन उत्पादन में हुए परिवर्तनों के साथ-साथ मूल्यों में हुए परिवर्तनों का प्रभाव भी सम्मिलित करता है। इस अनुमान की अवधि के दौरान की गई तुलना राष्ट्र में उत्पादन की वास्तविक समग्र वृद्धि अथवा लोगों के आर्थिक कल्याण का सटीक माप नहीं होगी। इसलिए, कीमतों के प्रभाव को समाप्त करना आवश्यक होगा, अन्य शब्दों में, एक विशेष आधार वर्ष की दी गई कीमतों की पूरी श्रृंखला की पुनर्गणना करना आवश्यक होगा। इस प्रकार की गई गणना को स्थिर मूल्यों पर राष्ट्रीय आय कहा जाता है। उपर्युक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (क) "सभी पूँजीगत वस्तुएँ उत्पादन वस्तुएँ होती हैं, परन्तु सभी उत्पादन वस्तुएँ पूँजीगत वस्तुएँ नहीं होती हैं।" दिए गए कथन का मान्य तर्कों द्वारा औचित्य सिद्ध कीजिए।	

	उत्तर. उत्पादक वस्तुओं को पूंजीगत वस्तुओं और मध्यवर्ती वस्तुओं में वर्गीकृत किया जा सकता है। पूंजीगत वस्तुएँ उत्पादन में उपयोग की जाती हैं लेकिन एक ही वर्ष में पूरी तरह समाप्त नहीं होतीं, जबकि मध्यवर्ती वस्तुएँ उत्पादन के उसी वर्ष में पूरी तरह उपयोग हो जाती हैं और अपनी पहचान खो देती हैं। **अतः, प्रत्येक पूंजीगत वस्तु एक उत्पादक वस्तु होती है क्योंकि उसका उपयोग उत्पादन में किया जाता है। हालांकि, सभी उत्पादक वस्तुएँ पूंजीगत वस्तुएँ नहीं होतीं, क्योंकि मध्यवर्ती वस्तुएँ भी उत्पादक वस्तुएँ होती हैं। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
	(ख) घरेलू आय व राष्ट्रीय आय के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए। **उत्तर: घरेलू उत्पाद से आशय एक निश्चित समयावधि में, किसी देश की घरेलू सीमा में होने वाली आर्थिक गतिविधियों से उत्पन्न कारक आयों के योग से से है।** **जबकि;** **राष्ट्रीय उत्पाद एक निश्चित समयावधि में, किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा की गई आर्थिक गतिविधियों से उत्पन्न कारक आयों के योग से है।**	**1 ½** **1 ½**
		6
17. (क)	(i) "क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना (CLSS), प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य भारत में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), निम्न-आय वर्ग (LIG) तथा मध्यम-आय वर्ग (MIG) के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराना है।" उपर्युक्त कथन में इंगित सरकारी बजट उद्देश्य की पहचान व व्याख्या कीजिए। **उत्तर. इंगित सरकारी बजट का उद्देश्य 'पुनः आबंटन कार्य (Redistribution Function)' है। सरकार करों और सार्वजनिक व्यय (जैसे सब्सिडी) के माध्यम से आय की असमानताओं को कम कर सकती है। सरकार की क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना (CLSS) का उद्देश्य भारत में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), निम्न आय वर्ग (LIG) और मध्यम आय वर्ग (MIG) के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराना है। यह इन वर्गों पर वित्तीय बोझ को कम करेगा और आय के न्यायसंगत वितरण को बढ़ावा देगा, जिससे अमीर और गरीब के बीच की खाई को पाटने में मदद मिलती है।**	**1** **2**
	(ii) सरकार के कर राजस्व के स्रोतों के दो प्रकारों के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए। **उत्तर. सरकार के कर राजस्व के दो प्रकार के स्रोत हैं— प्रत्यक्ष कर और अप्रत्यक्ष कर।** **प्रत्यक्ष कर वे कर होते हैं जिनका प्रभाव और भार एक ही इकाई पर पड़ता है। दूसरे शब्दों में, प्रत्यक्ष करों के भुगतान का दायित्व दूसरे पर नहीं टाला जा सकता है।** **जबकि;** **अप्रत्यक्ष कर वे कर होते हैं जिनका प्रभाव और भार अलग-अलग इकाइयों पर पड़ सकता है। दूसरे शब्दों में,अप्रत्यक्ष करों के भुगतान का दायित्व दूसरे पर टाला जा सकता है।**	**1 ½** **1 ½**
	अथवा	**6**
(ख)	(i) मेघा, एक अर्थशास्त्र की छात्रा, सरकार द्वारा नए प्लेटफॉर्म (जेट विमान, पनडुब्बी आदि) तथा सशस्त्र बलों के कर्मियों के वेतन और पेंशन के रूप में रक्षा पर किए गए व्यय के संबंध में अध्ययन कर रही थी। उसने दोनों व्ययों को पूँजीगत व्यय के रूप में वर्गीकृत किया था। क्या आप मेघा के विचारों से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उचित स्पष्टीकरण दीजिए। **उत्तर. नहीं। सशस्त्र बलों के कर्मियों के वेतन और पेंशन पर किया गया व्यय 'राजस्व व्यय' (Revenue Expenditure) होता है, क्योंकि यह न तो परिसंपत्तियों का सृजन करता है और न ही सरकार की देनदारियों को कम करता है।**	**1 ½**

	हालांकि, सरकार द्वारा नए प्लेटफॉर्म (जेट विमान, पनडुब्बी आदि) के अधिग्रहण पर किया गया व्यय पूंजीगत व्यय है क्योंकि यह सरकार के लिए परिसंपत्तियों का सृजन करता है। (ii) यदि किसी अर्थव्यवस्था के लिए प्राथमिक घाटा ₹1,000 करोड़ तथा ब्याज भुगतान सरकार के कुल ऋण का 20% है, तो राजकोषीय घाटे के मूल्य की गणना कीजिए। **उत्तर . प्राथमिक घाटा (PD) = राजकोषीय घाटा (FD) – ब्याज भुगतान (IP)** **1000 = FD – 20% of FD** **1000 = 80% of FD** $FD = \frac{1000 \times 100}{80}$ **राजकोषीय घाटा = ₹ 1,250 करोड़**	1 ½ 1 ½ ½ ½ ½ **6**
	खंड ख **भारतीय आर्थिक विकास**	
18.	दिए गए चित्र के आधार पर असत्य विकल्प का चयन कीजिए: (A) रोजगार से संबंधित जानकारी केंद्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा एकत्र की जाती है। (B) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने इस उद्यम के आधुनिकीकरण और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा उपायों के प्रावधान की पहल की है। (C) बाज़ार की अनिश्चितता के प्रति अत्यधिक संवेदनशील। (D) एक उद्यम में 10 या 10 से कम श्रमिकों को नियुक्त किया जाता है। **उत्तर. (A) रोजगार से संबंधित जानकारी केंद्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा एकत्र की जाती है।** **अथवा** **(B) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने इस उद्यम के आधुनिकीकरण और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा उपायों के प्रावधान की पहल की है।** **अथवा** **(D) एक उद्यम में 10 या 10 से कम श्रमिकों को नियुक्त किया जाता है।**	**1**
19.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: *कथन I:* कृषि में विविधीकरण का संबंध फसलों के पैटर्न में परिवर्तन तथा कार्यबल में संबद्ध गतिविधियों की ओर बदलाव से है। *कथन II:* कृषि विपणन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें कृषि उत्पादों का संग्रह, भंडारण, प्रसंस्करण, परिवहन, पैकेजिंग, वर्गीकरण एवं वितरण सम्मिलित होता है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है। (C) कथन I और II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और II दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (C) कथन I और II दोनों सत्य हैं।**	**1**

20.	मानव विकास इस विचार पर आधारित है कि _____ और _____ मानव कल्याण के अभिन्न अंग हैं। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) शिक्षा, संपत्ति (B) स्वास्थ्य, संपत्ति (C) शिक्षा, स्वास्थ्य (D) स्वास्थ्य, निवास **उत्तर. (C) शिक्षा, स्वास्थ्य**	**1**
21.	निम्नलिखित कथन के संदर्भ में सही विकल्प की पहचान कीजिए: "किसानों और औद्योगिक इकाइयों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सरकार द्वारा निर्धारित की गई कीमतों के आधार पर कच्चे माल एवं तैयार वस्तुओं की निर्धारित मात्राएँ क्रय-विक्रय करें जबकि शेष वस्तुएं बाज़ार कीमतों पर खरीदी और बेची जाती थी।" **विकल्प**: (A) ग्रेट लीप फॉरवर्ड (B) दोहरी मूल्य निर्धारण नीति (C) विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZs) (D) कम्यून व्यवस्था **उत्तर. (B) दोहरी मूल्य निर्धारण नीति**	**1**
22.	व्यापार व सीमा शुल्क महासंधि (GATT) का उत्तराधिकारी संगठन _____ था। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD) (B) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) (C) भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) (D) विश्व व्यापार संगठन (WTO) **उत्तर. (D) विश्व व्यापार संगठन (WTO)**	**1**
23.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: *कथन I:* जनसंख्या विस्फोट,समृद्ध उपभोग तथा उत्पादन ने पर्यावरण पर अत्यधिक दबाव डाला है। *कथन II:* वहनीय क्षमता एक घनत्व-निर्भर जनसंख्या का वह अधिकतम आकार है जिसके लिए जनसंख्या वृद्धि दर शून्य होती है। दिए गए कथनों के आलोक में निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है। (C) कथन I और II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और II दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (C) कथन I और II दोनों सत्य हैं।**	**1**
24.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: *कथन I:* श्रमिक जनसंख्या अनुपात का उपयोग किसी राष्ट्र की समग्र रोजगार स्थिति का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। *कथन II:* एक परिधान कंपनी ने दैनिक मजदूरी के आधार पर दो श्रमिकों को कार्यरत किया है। ऐसी स्थिति को औपचारिक क्षेत्र का रोजगार माना जाता है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है। (C) कथन I और II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और II दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है।**	**1**

25.	निम्नलिखित में से ***असत्य*** कथन की पहचान कीजिए: (A) ग्रामीण साख के विस्तार से भारतीय कृषकों को अपने उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि करने में सहायता मिली है। (B) आर्थिक सुधारों के पश्चात् ग्रामीण बैंकिंग क्षेत्र का विस्तार व संवर्धन पिछड़ गया है। (C) यह एक स्वीकृत तथ्य है कि यदि कृषक अपनी उपज सीधे उपभोक्ताओं को विक्रय करते हैं, तो उनकी लाभप्रदता में वृद्धि होती है। (D) जिन कृषकों को प्रचलित मूल्यों के संदर्भ में आवश्यक जानकारी होती है, वे प्रायः अपना उत्पादन कम मूल्यों पर विक्रय कर देते हैं। **उत्तर. (D) जिन कृषकों को प्रचलित मूल्यों के संदर्भ में आवश्यक जानकारी होती है, वे प्रायः अपना उत्पादन कम मूल्यों पर विक्रय कर देते हैं।**	**1**
26.	निम्नलिखित कथनों: अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए: *अभिकथन (A):* शिक्षा किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण कारकों में से एक है। *कारण (R):* एक स्वस्थ व्यक्ति लंबे समय तक निर्बाध श्रम आपूर्ति प्रदान कर सकता है। **विकल्प:** (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है। **उत्तर. (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।**	**1**
27.	निम्नलिखित में से कौन-सा हरित क्रांति का एक लाभ नहीं है? (A) विपणित अधिशेष में वृद्धि (B) खाद्यान्नों के मूल्यों में वृद्धि (C) खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता (D) बफर स्टॉक का सृजन **उत्तर. (B) खाद्यान्नों के मूल्यों में वृद्धि**	**1**
28. (क)	अनाया व रोहन की अपनी-अपनी कृषि भूमि थी। अनाया ने आधुनिक कृषि तकनीक सीखने, फसल चक्र, मृदा प्रबंधन व कीट नियंत्रण में श्रमिकों को प्रशिक्षण देने पर ध्यान केन्द्रित किया। दूसरी ओर, रोहन ने उन्नत मशीनरी, सिंचाई प्रणाली व एचवाईवी (HYV) बीजों में निवेश किया। "अनाया व रोहन दोनों ने मानव पूँजी में निवेश किया।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उचित तर्क प्रस्तुत कीजिए। **उत्तर. नहीं। रोहन ने उन्नत मशीनरी, सिंचाई प्रणालियाँ और एचवाईवी (HYV) बीज खरीदकर भौतिक पूंजी में निवेश किया है, जो उत्पादन प्रक्रिया में उपयोग होने वाली मूर्त परिसंपत्तियाँ हैं।** **हालांकि, अनाया ने मानव पूंजी में निवेश है क्योंकि उसने आधुनिक कृषि तकनीकों को सीखकर तथा फसल चक्र, मृदा प्रबंधन और कीट नियंत्रण में श्रमिकों को प्रशिक्षण देकर अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाया है।**	**1 ½** **1 ½**
	अथवा	**3**
(ख)	"प्रतिषेधी आयुर्विज्ञान, चिकित्सीय व सामाजिक आयुर्विज्ञान पर व्यय मानव पूँजी व आर्थिक विकास के निर्माण में सहायता करता है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उचित तर्क प्रस्तुत कीजिए। **उत्तर. हाँ। किसी अर्थव्यवस्था में मानव पूंजी निर्माण के एक स्रोत के रूप में स्वास्थ्य पर किया गया व्यय विभिन्न प्रकार से हो सकता है, जैसे प्रतिषेधी आयुर्विज्ञान, उपचारात्मक चिकित्सीय व**	**3**

सामाजिक आयुर्विज्ञान आदि। एक स्वस्थ व्यक्ति लंबे समय तक निरंतर श्रम आपूर्ति प्रदान करता है। अतः ऐसा व्यय मानव पूंजी निर्माण की ओर ले जाता है, जो आर्थिक विकास में योगदान देता है। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

29. चीन द्वारा शुरू किए गए ग्रेट लीप फॉरवर्ड (GLF) की व्याख्या कीजिए। **3**

उत्तर. ग्रेट लीप फॉरवर्ड (GLF) अभियान का उद्देश्य देश का बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण करना था। लोगों को अपने घरों के पिछवाड़े में उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ग्रेट लीप फॉरवर्ड अभियान को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। एक गंभीर सूखे ने चीन में भारी तबाही मचाई, जिससे लगभग 30 मिलियन लोगों की मृत्यु हो गई। रूस के साथ चीन के मतभेद हो गए और उसने अपने उन विशेषज्ञों को वापस बुला लिया जिन्हें पहले औद्योगीकरण प्रक्रिया में सहायता के लिए चीन भेजा गया था। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

30. व्याख्या कीजिए कि, भारत में विभिन्न सरकारों के प्रयासों से राष्ट्र में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन में किस प्रकार सहायता मिली है।

उत्तर. भारत सरकार ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन में दो प्रकार से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है:

- **प्रत्यक्ष रोजगार: सरकार प्रशासनिक विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों और सरकारी संगठनों में लोगों की सीधी भर्ती करके रोजगार प्रदान करती है।** **2**
- **अप्रत्यक्ष रोजगार: जब सरकारी उपक्रम उत्पादन बढ़ाते हैं, तो संबंधित निजी क्षेत्र के व्यवसाय भी विस्तार करते हैं, जिससे निजी क्षेत्र में अतिरिक्त रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं।** **2**

4

31. दिए गए आँकड़ों के आधार पर, भारत व चीन में संभावित नियोक्ता के रूप में उभरने वाले क्षेत्रक के रोजगार व सकल मूल्य वृद्धि (GVA) के भाग की रूपरेखा प्रस्तुत कर तुलना कीजिए।

2021 में रोजगार एवं सकल घरेलू उत्पाद (%) के क्षेत्र शेयर

क्षेत्र	सकल मूल्य वृद्धि में योगदान			कार्यबल का वितरण		
	भारत	चीन	पाकिस्तान	भारत	चीन	पाकिस्तान
कृषि	19	8	24	46	23	37
उद्योग	29	39	20	25	32	25
सेवा	52	53	56	29	45	38
योग	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

उत्तर. दिए गए आँकड़े रोजगार और सकल मूल्य वर्धन (GVA) में विभिन्न क्षेत्रको के शेयर से संबंधित जानकारी दिखाता है। भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के कारण, चीन में कृषि योग्य जमीनी क्षेत्र भारत की तुलना में काफी कम है। इसलिए, चीन में कृषि क्षेत्रक का GVA में योगदान 8% है, जिसमें 23% कार्यबल संलग्न है, जबकि भारत में यह योगदान 19% है, जिसमें 46% कार्यबल संलग्न है। **4**

चीन में तीव्र औद्योगीकरण के कारण, औद्योगिक क्षेत्र का GVA में योगदान 39% है, जिसमें 32% कार्यबल संलग्न है, जबकि भारत में ये आँकड़े क्रमशः 29% और 25% हैं।

दोनों देशों में सेवा क्षेत्र का GVA में योगदान लगभग समान है, जो भारत और चीन में क्रमशः 52% और 53% है, तथा इनमें संलग्न कार्यबल का प्रतिशत क्रमशः 29% और 45% है।

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

32. (क) (i) औद्योगिक नीति संकल्प, 1956 के अंतर्गत 'लाइसेंस राज' के पीछे के औचित्य की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। **3**

उत्तर. औद्योगिक नीति संकल्प, 1956 ने निजी क्षेत्र को लाइसेंस प्रणाली के माध्यम से नियंत्रित किया। इस नीति का उद्देश्य क्षेत्रीय समानता प्राप्त करना था। सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करना अपेक्षाकृत आसान बना दिया। इसके अतिरिक्त, मौजूदा औद्योगिक इकाइयों द्वारा उत्पादन के

	विस्तार/विविधीकरण के लिए भी लाइसेंस आवश्यक था। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि उत्पादित वस्तुओं की मात्रा अर्थव्यवस्था की आवश्यकता से अधिक न हो। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** (ii) विनिवेश की व्याख्या कीजिए। **उत्तर. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSEs) की आंशिक हिस्सेदारी (equity) को जनता को बेचकर उनके निजीकरण की प्रक्रिया को विनिवेश कहा जाता है।**	**1**
	अथवा	**4**
(ख)	"स्वतंत्रता उपरांत अवधि में भारत ने सुरक्षात्मक टैरिफ नीति अपनाई थी।" क्या आप उपर्युक्त कथन से सहमत हैं? किन्हीं दो वैध तर्कों द्वारा अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। **उत्तर. हाँ। स्वतंत्रता उपरांत अवधि में भारत ने सुरक्षात्मक टैरिफ नीति अपनाई ताकि:** • **आयातित वस्तुओं के स्थान पर स्थानीय रूप से उत्पादित वस्तुओं को बढ़ावा देकर घरेलू उत्पादन को बढ़ावा किया जा सके।** • **उभरते हुए उद्योगों को तीव्र विदेशी प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रखना, ताकि वे सतत रूप से विकसित और समृद्ध हो सकें।**	**2** **2**
		4
33.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: 2021 की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार, 100 सबसे प्रदूषित शहरों में से 63 भारत में हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि PM 2.5 सांद्रता (हवा में मौजूद सूक्ष्म कण जिनकी लंबाई 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होती है) राष्ट्र के 48% शहरों में विश्व स्वास्थ्य संगठन के वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों के स्तर से 10 गुणा अधिक है। निस्संदेह इसने वायु प्रदूषण को भारत में सबसे गंभीर पर्यावरणीय मुद्दों में से एक बना दिया है। वाहनों से उत्सर्जन, औद्योगिक अपशिष्ट, भोजन से धुआँ, निर्माण क्षेत्र, पराली जलाना व बिजली उत्पादन भारत में वायु प्रदूषण के सबसे बड़े स्रोतों में से हैं। अनियंत्रित विद्युतीकरण के कारण कोयले, तेल व गैस पर देश की निर्भरता इसे दुनिया का सबसे बड़ा प्रदूषक बनाती है, जो हर साल वायुमंडल में 2.65 अरब मीट्रिक टन से अधिक कार्बन का योगदान देता है। 2021 में, भारत दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में से एक था, जो बांग्लादेश के बाद दूसरे स्थान पर था। 2021 में, भारत में वार्षिक औसत PM 2.5 का स्तर लगभग 58.1 $\mu g/m^3$ था। वैज्ञानिकों ने PM 2.5 के लगातार संपर्क को कई दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़ा है जिनमें हृदय व फेफड़ों की बीमारी के साथ-साथ हर साल 7.5 मिलियन समय से पहले होने वाली मौतें भी शामिल हैं। उपर्युक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (क) भारत में वायु प्रदूषण के किन्हीं चार स्रोतों का उल्लेख कीजिए। **उत्तर. भारत में वायु प्रदूषण के चार स्रोत हैं:** • **वाहनों से उत्सर्जन** • **औद्योगिक अपशिष्ट** • **भोजन पकाने पर निकलने वाला धुआँ** • **निर्माण क्षेत्र** **(अन्य कोई प्रासंगिक स्रोत के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	½ ½ ½ ½
	(ख) वायु में PM 2.5 कणों के बढ़ते स्तर के प्रतिकूल प्रभावों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। **उत्तर. वैज्ञानिकों ने वायु में PM 2.5 के लगातार संपर्क को कई दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़ा है, जिनमें हृदय और फेफड़ों की बीमारी के साथ साथ हर साल लगभग 7.5 मिलियन समय से पहले होने वाली मौतें भी शामिल हैं।** (ग) CPCB का पूर्ण रूप बताइए।	**3**

	उत्तर. CPCB का पूरा नाम 'केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड' (Central Pollution Control Board) है।	**1**
		6
34. (क)	(i) "कुछ विद्वानों के मतानुसार, उर्वरक उपदान को अब चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर की उचित तर्कों द्वारा पुष्टि कीजिए। **उत्तर. हाँ। उपदान का उद्देश्य किसानों को लाभ पहुँचाना होता है, लेकिन उर्वरक उपदान का एक बड़ा हिस्सा उर्वरक उद्योग को भी लाभ पहुँचाता है और किसानों के बीच भी, इस उपदान का लाभ मुख्य रूप से अधिक समृद्ध क्षेत्रों के किसानों को मिलता है। इससे लक्षित लाभार्थियों तक उपदान की प्रभावशीलता सीमित हो जाती है। इसके अतिरिक्त, ऐसा उपदान सरकार पर भारी राजकोषीय बोझ डालता है। अतः इन्हें चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना और बेहतर लक्षित सहायता उपायों को अपनाना अधिक कुशल और न्यायसंगत होगा।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**4**
	(ii) ऐसे किन्हीं दो उपायों का उल्लेख कीजिए, जिनके द्वारा सरकार विनिवेश का कदम उठा सकती है। **उत्तर. सरकार निम्नलिखित दो तरीकों से विनिवेश की प्रक्रिया को लागू कर सकती है:** • **सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के स्वामित्व और प्रबंधन से बाहर होना।** • **सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की पूर्ण बिक्री द्वारा।**	**1** **1**
	अथवा	**6**
(ख)	(i) "1991 के आर्थिक सुधारों के दौरान सरकार ने वित्तीय क्षेत्र में अनेक सुधार किए, जिनका आगामी वर्षों में महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।" दिए गए कथन का वैध तर्कों द्वारा औचित्य सिद्ध कीजिए। **उत्तर. 1991 के आर्थिक सुधारों के अंतर्गत भारत के वित्तीय क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव देखा गया। भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की भूमिका नियामक से बदलकर सुविधाप्रदाता की हो गई। इसका अर्थ यह है कि वित्तीय क्षेत्र को कई वित्तीय मामलों में भारतीय रिज़र्व बैंक से परामर्श किए बिना निर्णय लेने की अनुमति दे दी गई। इन नीतिगत परिवर्तनों के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र के बैंकों की स्थापना हुई, जिनमें भारतीय और विदेशी, दोनों तरह के बैंक शामिल थे। इस प्रकार, इन सुधारों ने भारतीय वित्तीय क्षेत्र की दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक एकीकरण को बढ़ाया, जिससे अर्थव्यवस्था को समग्र विकास और स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान मिला।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**4**
	(ii) किसी एक महारत्न व किसी एक नवरत्न कंपनी का नाम लिखिए। **उत्तर. महारत्न – स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL)** **नवरत्न – हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)**	**1** **1**
	(अन्य कोई प्रासंगिक कंपनी के नाम के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)	**6**

* * *